धौलावीरा

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

[भारत के राष्ट्रपति](#) ने **हड़प्पा सभ्यता** की तकनीकी प्रगति की सराहना करते हुए [धौलावीरा](#) का दौरा किया।

हड़प्पा (सिंधु घाटी) सभ्यता:

- यह एक **शहरी सभ्यता** थी जो **3300-1300 ईसा पूर्व** के आसपास **सिंधु नदी** के किनारे विकसित हुई थी। इसकी **खोज** 1920 के दशक में **जॉन मार्शल** ने की थी।
- **हड़प्पा सभ्यता के प्रमुख स्थलों में हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, बनावली, धौलावीरा, लोथल और रोपड़** शामिल हैं।

धौलावीरा:

- यह **गुजरात के कच्छ (खदिर का शुष्क द्वीप)** में स्थित है, यह एक महत्त्वपूर्ण पुरातात्त्विक स्थल है जहाँ **3000 ईसा पूर्व से 1800 ईसा पूर्व** तक लोग निवास करते थे।
  - इसकी खोज **वर्ष 1968** में **जगतपति जोशी** ने की थी।
- यह **सिंधु घाटी सभ्यता का पाँचवाँ सबसे बड़ा स्थल** है और दो मौसमी नदियों, **मानसर** और **मनहर** के बीच स्थित है।
- पुरातात्त्विक खोजों में **टेराकोटा मृदभांड, मुहरें, आभूषण और धातु विज्ञान** के साक्ष्य शामिल हैं। यह **ताँबे, आभूषण और लकड़ी का व्यापार केंद्र** था, जहाँ सिंधु घाटी लिपि में अभिलेख अंकित थे।
  - घटनास्थल पर कोई **मानव अवशेष नहीं** मिला है।
- धौलावीरा में **एक किलेबंद महल, मध्य और निचले शहर** और एक **कब्रिस्तान सहित एक चारदीवारी वाला शहर** है।
  - इसकी **उन्नत जल व्यवस्था में 16 जलाशय और बावड़ियाँ** शामिल हैं।
- इसे **वर्ष 2021** में [यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल](#) घोषित किया गया।

//

और पढ़ें: [भारत का 40वाँ वशि्व धरोहर स्थल: धौलावीरा]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dholavira-1